

**राज**  
कॉमिक्स  
विशेषांक  
मूल्य 40.00 रीखा 620

# छोटा नागराज

**नागराज**



नागराज को बचाओ के  
द्वारा छोड़ दे बच्चे।  
वही उसको बचाओ के  
चक्र में न अपनी भी  
जान देना देगा।

क्योंकि आज पूरे  
संसार के हर  
मिस्ट्रस को मेरे  
बच्चे काटोप कर  
रहे हैं। अमेरिका  
के राष्ट्रपति पद को  
लेकर उसका की  
कंपनि का मुक के  
अध्यक्ष मेरे बच्चे हैं।

पूरी दुनिया  
को अब डील  
काटोप करना  
है।

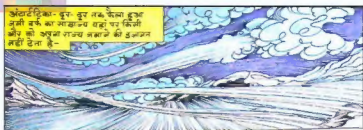
कथा: जिला सिंह  
चित्र: अनुप सिन्हा  
संकिन: विनोदकुमार  
सुनील एच एन:  
मुक्ति रायदेव  
सम्पादक: मनीष गुप्ता

नागराज को धोखे से  
हराकर पूरी दुनिया को अज्ञान बनाते  
वाले डील, न सऊ बात भूल रहा  
हूँ!

और वह यह कि  
मुझको रोकते के मिरर रुक नहीं,  
नॉन-सीतु शरबस अभी भी  
आजाद हैं। मेरे दोस्त साहूजो  
और फनेमीन और मैं खुद...

# छोटा नागराज

अंटार्कटिका - दूर-दूर तक फैला हुआ  
जमी बर्फ का महाद्वीप यहां पर किमी  
और की अपनी राज्य बनाने की उद्यमन  
नहीं देना है -



बस कभी-कभी यहां पर  
दुक्का-दुक्का इंसान नजर आ  
जाते हैं -

**फुट फुट**

या मफेव भालू जैसे  
कुछ जानवर -

**मफेव**



और कहीं-कहीं बर्फ की मफेव बाबर  
पर उभरी हुई ये सज्ज-निर्मित इमारतें -

जो ऐसे वैज्ञानिकों से भरी रहती हैं  
जो अंटार्कटिका के क्षेत्र में शोध करके  
नई संभावनाओं का पता लगाने रहते हैं -

इस ज़ांत बालावरण में न तो अपराध  
रहता है और न ही अपराधी -



इसीलिए अपराध-विज्ञानकों को कभी बाएं पर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती है-

बैजो भी उनके पास अपराध को मिटाने के आधुनिक और भी ब्यास होते हैं-

ये... ये मज्जु को ने नहीं है न मेरा पार्सी ? ये रिपोर्ट काई बिपोंक का ही है न ?



तुमको डाक क्यों हो रहा है, बाहराज ?

क्या तुमको बिपोंक से कुछ और ही उन्मील थी !

हैं... नहीं !

बैजो भी बिपोंक ने पढ़ने से पढ़ाई कभी की ही नहीं ! फिर इसी एक खत में वह आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रहा है !

और फिर भी उसने हर विषय में पूरे के पूरे तेंबर पार हैं ! कलात्मक है ! यानी अब वह पहली कलात्मक से दूसरी कलात्मक में चला जाएगा ! ये 5555



REPORT  
Total  
20 30 30 20 100  
20 30 30 20 100  
25 25 25 25 100  
25 25 25 25 100



ये रिपोर्ट काई पांचवीं कक्षा का है, बाहराज !

**क्या ?**

बिपोंक ने पहली ही बार में पांचवीं कक्षा का परीक्षा दिया है ! पर कैसे ? क्यों ?

क्योंकि मासिक परीक्षाओं में उसके टीचर को लगा कि बिपोंक पहली कक्षा के अनुसार कुछ नया जानता है !

इसीलिए उन्होंने उससे पहली कक्षा के साथ-साथ पांचवीं कक्षा का पेपर भी दिभवाया !

और उसका कहना है कि विष्णु अंतरा इंसानों की बड़ी कक्षा की परीक्षा देना तो ही वह पूर्ण और सत्कार उन्नीत होना।

यानी फल सबको लेकर चला होगा। परन्तु विष्णु के पास ये ज्ञान, ये सारी योजनाएं आई कहां से ?

बहुत पुस्तक को टेढ़ा करके पुस्तकों को कबूतराता है और हर पुस्तक उसके पिछवा में छपता जाता है।

कुछ सारी जगहों पर जग विष्णु के विचारों में नया-नया आया था तो कुछ विचारों ने उसके बाल काटने की चेष्टा की थी। पर विष्णु के बावलों ने उनके हाथों को जकड़कर उनको बंदी बना लिया था।



मैं सिर्फ इतना बता सकता हूँ कि विष्णु के पास कुछ अद्भुत प्राकृतिक और यौगिक प्रक्रियाएँ हैं।

उसके शिक्षक के अनुसार उसको हजार पुष्पों की एक पुस्तक वापस करने में सिर्फ चंद्र सिद्ध लगते हैं।

विष्णु अपने जन्म से ही अद्भुत बालक है वेदाचार्य। दरअसल उनका जन्म एक चंद्रयंत्र के सहित हुआ था। विष्णु के कोई प्राकृतिक सहायिता नहीं हैं। उसका जन्म एक कुत्रिम यंत्रिक संस्था में हुआ था। और ऐसा यंत्र-होना गुरुदेव ने लाखों वर्षों की बारी सजा की सफल और साधना की कोशिश को जेबकर किया था।

गुरुदेव! यानी तुम्हारे पुष्ट सच अंतर साधना का बहुवचनकारी गुरु। पर ऐसा करने, उसका क्या किया ?



विष्णु के बारे में मुझको थोड़ा विस्तार से बताओ साहबजी। नकि मैं उसके अधिपति के लिए सही प्रकार से योजनाएँ बना सकूँ।



विष्णु के नाचने लगपड़ा और  
माराही के राजा मरिचाल की अस्म  
के भिक्षु से हुआ था। दूसरी  
विष्णु के नाच में ही माराही का उन्ना  
धिकारी उस हाथ था और उसका अध  
रिना होने के कारण माराही का नाच  
ही के रविवार पर अधिकार हो  
सका था।



ओह हां! अब तुम्हें  
सब याद आ गया। मैंने ही तो  
उस भिक्षु को एक तिन्त्रिस्स में  
परबकर उसके शरीर से माराही  
की कोशिकाओं को बंध कर  
दिया था।

लेकिन भक्तता है कि  
कोशिकाएं बंध होने के बाद भी  
उनके अद्भुत गुण विष्णु के शरीर में ही  
रह सके होते। और माराही मरिचाल की  
भस्म में मौजूद जीवन तन्त्रों के साथ मिल  
कर उन्होंने विष्णु में अद्भुत क्षमि  
जागृत कर दी होती।

विष्णु का  
मास्टर बालक की  
नरह पावन-प्रेषण  
करता भी माराही  
है माराही। माराही  
है कि ईश्वर ने  
उसको किसी रक्त  
कास के लिए भूत  
पर भेजा है।



बस, एक ही विष्णु  
है। यह बात नही है।  
जो न बात, माराही कि  
वह भी तब विष्णु  
है।

र में  
अनन न  
नहीं है।  
ए...  
ए...



तुम तो बाप  
रह हो।  
पर कैसे?

इसकी जोर से  
मल धिल्लव हो  
सागराज! बल  
होता खराब हो  
जायगा! और  
तुम नहीं बाप  
जाओगे!



सिक्खु! ले वे  
तुमछारा बल है!

घम, माई दिव्य  
वेले सागराज!

वही तो किया है  
मैने! इसकी गर्दन  
के पीछे एक बाधन  
मकुयुलेइन मोफदेवर  
को विपन्न दिया है!  
और एक माइनेमीन  
इसके दांतों में फिट कर  
दिया है!

पर तुमने कितना  
बल है? तुम तो  
कंधुपुटर सम्पापर्ट  
हो, डोकटर नहीं!



ये दोनों ही जीने  
बाधो-कलजी से चलती  
हैं! यानी इनको कलजे  
लेवक इनकी विपन्न के  
छीर से ही मिल  
जायगी!

विपन्न के दाँतों में  
होने वाली साहसकी से  
साहसकी हरकत को ये  
मोफदेवर भाप मेरा और  
उसको आवाज में बदलकर  
स्वीकर के मीस सबके  
अननों तक पहुँचा देगा!

कुली अब विपन्न कोल केला  
और हम सब मुल सकेंगे!  
ये तो  
कुल  
हो बल!

अब तुम खुड़ी  
से चिल्लाव बंद करो तो तो  
मुल सकोगे न?



सागराज!

ये तो भारती की  
आवाज है!

मैं अभी नहीं आ  
सकता भारती!  
अभी मुझको विपन्न  
से टेर सारी जाने  
करनी है!

विपन्न से बाँने? दिमाग  
खराब हो सका है तुमछारा!  
नब्दी आओ! अर्जेंट मैटर है!

ओफफो!  
आता हूँ!



क्या हुआ, भारती?  
तुम्हारे बेहतर पर हलचल की  
क्या उड़ रही है?

आभी- आभी सिमरन का  
नेट लुट्टा चोज पर ही बिबले  
मैसोज आया था!

और चोज कटने के  
ही क पड़ने में बिबले चोज  
के कैमरे में जो कट  
किया बहुत ये था...

हे भगवान!  
ये क्या है?

लेकिन वो मे अंटीटिफिक गई  
हुई है न? बहा पर मौजूद इंजियर मेस  
लैब पर ओई प्रोबाम बजने!

वहीं से ही उसने  
चोज आया था! बीच  
में ही चोज कट गया!

पता नहीं!  
लेकिन इनका जकार  
पता है...

...कि सिमरन  
के साथ साथ बहा  
मौजूद हर इंजन  
की जगह रखने में है!



तब तो मुझको  
तुरंत बहा पर  
पहुंचना होगा!

मैं अभी हैलीकॉप्टर का  
इंजनल करती हूं। वह मुझे  
आठ घंटे में अंटीटिफिक की  
बेस लैब में पहुंचा देगा!

कुछ ही देर बाद-

अपना दबल  
रखना मतलब!

इनका बहुत नहीं  
है भारती! मैं अपने जलमर्  
मित्रों की मदद लूंगा। वे मुझको  
हैलीकॉप्टर से कहीं जल्दी पहुंचा  
देना!

चिन्त मत  
करो भारती!

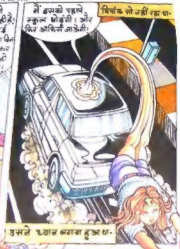
मैं जल्दी ही  
लौटूंगा! और अच्छी  
खबर के साथ लौटूंगा!





उदास मत हो विप्रांक!  
महाराज जल्दी ही वापस आ  
जाऊगा! तब तक मैं और तुम  
बातें करेंगे!

अरे! ये तो मे  
रा गा! अच्छा ही है!  
आज इसकी बड़ी  
मुलायम का पहला दिन  
है! वो हा रेमर का  
लेस मैं ड्रैफ्ट हो  
जाऊगा!



विप्रांक तो नहीं रहा था-

मैं इसको पहले  
मुकुल धोवूंगी! और  
किर ओकिस जाऊंगी!

इसको उधर आने  
कही मुसीबत का  
आभास हो रहा था-

दुर्सीलिंग बहू महाराज पर नजर  
रखना चाहता था-

उसने चोरा नजर लगा हुआ था-



और इसको बलन आभास नहीं हो रहा था-



क्योंकि पहचान काफी महत्वा  
था-

कहा महाराज के  
साथ गंगा करना  
जल्दी है?



कहीं हमें सावधान बन  
नसकना पड़े। आखिर सुनें  
आर' साया काउम ने नहीं  
कर रहे हैं?

जहाँ! सावधान को बतौर गपने में तुलना  
हम इस मिन्टल पर कभी कुछ नहीं  
कर सकने जो तुम दुनिया को चलाया है।  
अगर वह सिखा रहा तो तुलना  
मिन्टल सब मर कर दूना।

तो अब हमको  
आपसे मिन्टल पर  
कौन शुरू कर  
दली चाहिये।

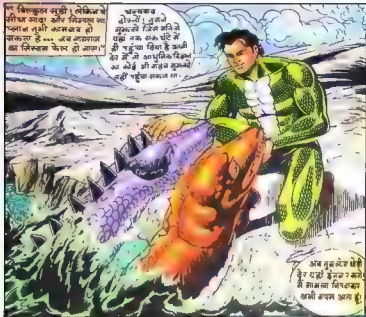
बिनाकुल सत्री! आपकी  
प्रयोगशाला की इस सहाय्यी चीज  
को छोड़ दो हम दुनिया में।

वे जानकर तुम  
दुनिया के हर उस पर को दक्षिण  
करते जो दुनिया में अपनी अद्वितीय  
सबका है।

किर अरेडो दोरे वे  
और दुनिया चलेगी हमारे अंदर  
पर। और वे बर्बोरे हमारे  
अंदर पर।

एक बिल्कुल सही। लेकिन वे  
सीधा सादा और निरव्यक्त या  
प्लान्त सभी व्यक्तित्व को  
सकता है... अब हमारा  
एक निरव्यक्त केन्द्र हो जाये।

अनुभव  
हीनता। तुमने  
मुझसे जिस अनिसे  
पहले तक एक घंटे में  
ही पहुँचा दिया है अभी  
देर में तो आधुनिक विज्ञान  
अभी भी बहुत मुश्किल  
में ही पहुँच सकने था।



अब तुम देखो धीरे  
देर यहाँ इंसान को  
में सामान्य निपटारा  
आती प्रेम आता है।



वह रहा अचानक वहाँ  
कैद। लेकिन यहाँ पर  
तो आति आता नहीं  
है।



उपरोक्त वह मुझसे  
तो भी थी, वहाँ  
देकर मुझे ही  
गई है।

વા  
કાળ વાલ  
નહીં!

પૂર્વે કવચનગરી  
વે નો... વે નો  
મન, મનનિ  
આપુ છે. નોકિ  
કામ કી વે કામન  
કેમે કો મન  
રે



"વિશાંક! વિશાંક! અરે, ડહો વિશાંક! ૯"





अच्छा है! बचाने का काम तो सिर्फ़ी! पहले तो बचाने का काम देख लो, फिर इस लड़की को इन गंदेपन से बचा देंगे।

बचाने का काम तो सिर्फ़ी! पहले तो बचाने का काम देख लो, फिर इस लड़की को इन गंदेपन से बचा देंगे।

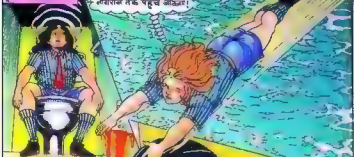
यह बचती जो ली थी, उसको बचाने की जगह की जगह नहीं थी।

अच्छे बच्चे तो बचते हैं सिर्फ़ी नहीं बचते।



विशाल इस बच्चे को  
दूर, दूर से धा-

बस कुछ ही देर में मैं  
लगातार तक पहुँच जाऊँगा!



ओफ़! टीचर के  
लौक में चली लगी थी  
और इन बच्चों ने खरी  
को घुमाकर नोड दिया है!  
अब ये दरवाजा कैसे  
खुलेंगे? अंदर में तो  
कौई आदमी ही नहीं  
आ रहा है!

हे फ्रेंड  
तुम हीक सो हो  
ने? और वू ऑन  
गइल?

TOILET



अब वू ऑन  
गइल? जकब  
के!

बालन के वह  
दूर के मार बेहोश  
हो गया है!

देखा जा सकेगा  
ही होगा! बिल  
चकी के

और ये काम  
कैसे करता है  
वो बच्चे को पता  
है!



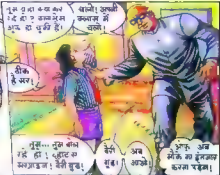




अब मैं फिर  
मे कहीं और जाऊँगी  
ह. यान...

बिनांक!

गह्रें भैंस  
पासी में



तुम वही बच्चा कर  
दे हो २ काल में  
आइ हो चुकी हो।

बालो! अपनी  
कमाल में  
चलो।

ठीक  
है सर!

तुम... तुम बोल  
रहे हो! २ हाट २  
मनग्राउन! बेसी चुब!

बेरी  
गुड।

अब  
अच्छे।

अच्छे अब  
मैंके २० हुनकर  
करना पड़ेगा।

"आधेद नाराज को मेरी  
सदद की जरूरत ही न पड़े."

ये सब किसी  
रक्तघंघ्र का हिस्सा  
लगराना है!

आन्ध्र को कपू  
बदलना और  
मुझको यहाँ पर  
बुलवाया जना सब  
पहले से नया  
छा।

पर व पक्षुघंघ्र  
रचा किसने है और  
वह क्या हासिल  
करना चाहता है!



पर इस लड़  
के बाहु जैसे दुर्लभ लड़के  
अब हाथने पर डरते हैं!

तुम मेरे का जलद  
मुझको नही शिथिल नच में  
जिन्दा रहूँगा!

पर इस क्षण में ये अज्ञान  
जानिये आई कहाँ से ?

यह इंडियन मिशन इस  
क्षणाक में बीस मलों में है और  
आज पहली बार किसी सफेद आधु  
ने यहाँ पर हमला किया है। क्योंकि  
आज तक पर सफेद आधु जान होते हैं  
और अदमियों पर हमला करने  
हैं और न ही इसको पकने हैं।

मेरे सूर्य क्षण में तीन दिहा  
के बीच के इस मापक में अज्ञात  
कारण सिद्ध नहीं हैं।

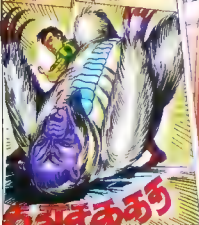
विषयकार भी टीकी होकर  
नसती जा रही है और अज्ञात  
अज्ञात नहीं दिखता ग रही  
है।



यही इसको पूरा  
कुछ ही स्टाइल में  
काम में करना होगा।

आज तक के इस क्षण  
में सफेद आधु मह  
नहीं था-

रीढ़ की हड्डी कड़कने  
की अज्ञात इस अज्ञात  
में बोज डही-



कड़कककक



अब इसका बुनमफ  
भी करवाना पड़ेगा  
मेरे लोहाब की कड़ी  
मगन के बिना कोई  
नहीं जा सकता

अज्ञात पहल में मेरे  
क्षेत्र में सौजद नेत्रों  
और पिरोटने करवाना  
क्यों कि ये अब  
मृगक्षिण हैं



अरे! यहाँ पर तो  
अभी बेहोश पड़े हुए है!

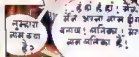
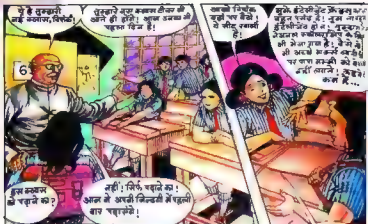
अंदर की हवा में  
अजीब सी गंध है!  
बेहोशी की वजह  
क्या है!

यानी यहाँ पर बहुत  
बड़े अस्त्रों की हवा  
आ रही है! पर  
क्यों है यह?

किसी ने यहाँ के  
अस्त्रों की डिजिटल  
मिनिस्ट्रल में गैस  
छाँकी है!



और वह तो सो  
है, वह नजर  
देवा नहीं आता





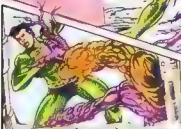
जबारात

ओह! अब मजह में आप कि भाव हमरी आसानी से हार कैसे गया? दरअसल वह मुझसे लड़ नहीं रहा था! बल्कि खुद दर्द में मग्न रहा था! क्योंकि ये जीव उसके अंदरूनी हिस्सों को खाकर खुद बढ़ा ही रहा था!



छत्ती मेरा असली  
मुन्सबुत। इस परजीवी  
से...

और अगर मुझको इन  
पहुंचने को रचना के तक  
पहुंचना है, तो मुझको  
परजीवी को फूटाना  
पहुंचना ही पड़ेगा।



क्या संभावना  
है? परजीवी  
संसार को हम  
पासवा छ नहीं!



तो प्रतिक्रिया  
संभवित है: इस परजीवी  
की सम्मिलित की दुनिया के डीएन  
को गहरा करवा दिया है कि  
जैसे वह शरीर मरुत भाव  
का ही...

...या संसार  
का। इसमें जहर-बहर  
से कोई फर्क नहीं  
पड़ता।

किर तो संसार  
के शरीर के बाट परजीवी  
दुखों मिटाने की स्वतंत्र बन सकता  
है। इसका भी राट कर सकता  
है।



पहले मैं जहर  
इलाज का तरीका  
सोचना हूँ और फिर  
अपने के विषय में  
हाथ डालना हूँ।

इसको मेज़  
बनाए है और मैं इसको  
स्वतंत्र करने का तरीका भी  
जानता हूँ।

नम तो सिर्फ  
नहीं लज के बरतने  
का नकाशा देना

धड़

नागराज के भिक्षु परजीवी  
की आँखियाँ एक राहचोर  
थीं।

सूत्रकों पता नहीं है कि ये सूत्रकों क्या बुकसान पहुंचा सकना है! लेकिन मैं इसको बुकसान पहुंचाने में पहले ही स्वयं का दंड।

और हमको अंतर्दृष्टि की  
उम्र ठंडी बर्फ में दफन कर देता  
जहां पर इसके जैसे घानक  
जीवण बुरा नक सिर्फिय  
पढ़ रहे हैं:

知

और अब मैं  
दुःखी ना ठाम चढ़ाई करूँगी  
को ।

आपको यह पता चलेगा कि आपका बच्चा कितना पढ़ाई कर रहा है।

नमः जिज्ञासा रहित  
साहस हो तो पीछे  
देखो, अज्ञानी !

[illegible]

अहंते हो नो नीचे  
आओ।



आइसबर्ग! बर्फ का टुकड़ा  
पहाड़ की परतों की ओर  
नहीं कर पाया और अब इनमें  
अपने आंसों से धीरे-धीरे  
घुस रहा है।

सिर्फ घुसाऊ नहीं है  
लगातार! अब ये भी  
नुस्खे अंदर बलेंगे।  
यह की जहाँ की लपटें!

और नुस्खे हर भी  
नुस्खे की हर लपट में  
घुसकर वेग की  
नुस्खे की आँखों को  
तो जानेंगे जैसे जहाँ  
बर्फ में अपना  
पता खोजनी  
है!

इनमें बचने  
मेरे लिए असंभव है  
काम है, बच्चे,

मुझसे सिर्फ  
इच्छा पूरी करने में  
बंद नज़ा है और...

... और ये भी नुस्खे साथ  
कल कहीं से बंदन जलना क्योंकि  
इस बंदन ये नुस्खे धीरे-धीरे  
ही एक ओर है।

आइसबर्ग!  
यह तो मैं जान  
ही गया था। इनमें  
मेरे बार में रूनी  
जहाँ की रूनी  
है!

अब मैं क्या करूँ  
अपने अपने बचने  
के लिए?

जलजल के रक्त में ही पैदा होने वाले  
सूक्ष्म सर्प बड़ी जंगलों में जंगलों में  
बढ़ती जंगलों को मुकाबला कर रहे थे



परन्तु परजीवी के अंग उनसे ही अपना  
आहार बनाते जा रहे थे-

जलजल की लकड़ों को परजीवी  
बहुत तेजी से पीस कर खा रहे थे-



आसस है! इतनी  
अपमानक ढंग में मैंने  
अब तक तो अपने आप  
को संभाले रखा था। पर  
अब मेरी लकड़ें जवाब  
दे रही हैं!

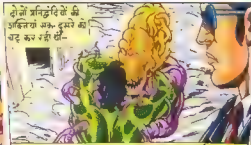
वेसं हम सभी एक तरह  
के परजीवी ही हैं। किसी न किसी  
को खाकर ही जीवित रहने हैं।

और बाहू, ये कैसा  
अपमान मेरे दिमाग में  
आया है न? इतना बड़े रक्तवाह  
ही मुझसे बच सके। अगर  
हम सभी परजीवी हैं तो  
मेरे साथ ही तो परजीवी  
ही हैं!

अब बस वे देखना हैं  
कि परजीवियों की जगह में  
कौन जीतना है!

जलजल के हाथ परजीवी  
के शरीर को खदने हुए अंतर घुस गया-

और उनकी कलाबुजों में से  
बेकालार सर्प निकलकर  
परजीवी के शरीर में फैलकर  
उसके अंगों को निहलने लगे-



दोनों प्रविष्टियों की  
आकृतियां एक-दूसरे को  
चढ़ कर रही थीं-

अब ये निर्णय समय को ही करना था कि इनमें से अंत तक कौन खड़ा रहेगा?

और अरब के निर्धन को दिखाने-

परजीवी का शरीर जमीन पर गिरकर सिकुड़ना लगा गया-

हा हा हा हा हा  
या मुसलमानों को  
दुःख देना है, इस  
लिए नहीं है  
देखो

बहुत अच्छे जहाजों  
हैं तुमसे यही उम्मीद  
थी! तुम को छोटी-छोटी  
लड़ाइयाँ जीतना हों,

यप पड़  
हम जीतेंगे

हम एक नहीं  
लड़ाकर...

हम?  
आपका व्याकरण  
सुधारा!

एक व्यक्ति  
अपने आपको 'हम'  
नहीं, 'मैं' कहता है!

और कुछ खबर  
नहीं होता है!

कुछ मतलब  
नहीं आ रहा है  
सब कुछ बेमक  
लग रहा है!

पहले भाइ, फिर  
परजीवी और अब  
बच्चों की खेलें!

वेने इन बच्चों से निपटना  
... आइस...



बस, बहुत ही रात!  
अब मैं इसका बर्तन में  
हमलावरों की तरह ही  
निपटूंगा।

भीषण ठंड से लालात्रों के  
शरीर और विभक्त पर  
आर हावला डारू कर दिख  
था।

और हमलावरों के झड़ने का  
तरीका यह नाक-साफ बता रहा  
था, वे जैमिस्मिन् नहीं ठपकते थे।

पर लालात्र  
उपलवों का  
हमलाव था-

नाकन में और  
मरवनी में।



उसकी सोच और  
शरीर की कुर्मी दोनों ही धीमी गड़ गड़ें थे-



आइस...

नूकालों और बर्फीली चढ़ाव उस  
बच्चे के पेट में घंसती चामी गई-

ओह! यह कैसे क्या  
किया? अंजाने में एक  
साजसज के प्रभाव ने लिया!

जोकि  
सब करने!

क्योंकि हम  
सब नहीं सकते!

क्या?

साजसज के बिना यह मुक्त और भद्र नहीं है-

और अब उसके सामने  
सब ही रक्षित बचा था-

एक अंधाशा जवाबी हमला-

क्योंकि, हमको  
हमसे कोई उबरना  
नहीं है-

हमसेक सर्पों के बार  
साब करने हो रहे रहे-

पर दुश्मन, साजसज की तरफ  
रहे-

ओह, हमसेक सब  
हमसे सुना है हमसेक सब  
में! पर हम हमसेक सब  
की कोशिश नहीं करेंगे



लेकिन ये आदम जे तक  
नहीं पहुँच पावे-

डकडक

डकडक

बच्चे, बच्चे ही रहेंगे। मैं  
हमपाक, सर्प मुझ पर नहीं, उस बर्षिया  
परन पर छोड़ रहा था जो मुझ के इस  
पाती के ऊपर अभी दुई है!

औन जाम:

मैं मुझारे बुझारे का  
हुनकार ही कर रहा था,  
आनराज, अब तक मुझने  
सूख को क्यों नहीं बुझाया  
था?

क्योंकि मुझारी डीत अलियां  
ही अब तक मेरे ऊपर छोड़  
कड़ कड़ानी टेंड में बुझ रही  
थी। मुझारे अमीर में बाहर  
आने ही सेग डूगीर जमने  
भरता है।

कुछ ही पलों बाद  
असर हनुमानपुर तक  
अलियां के 2 में थे-

अब मुझ फटाफट  
पत्ती में हुबने हूँ बच्चों के ऊपर  
बर्फ की आदी परन जमा दी!

अब इससे पहले कि  
कोई और वक्ता जाए, इसका  
लेव के कर्म चारों ओर पत्ती में ले  
जोनी होना।

रेस्कव  
हेलीकॉप्टर अब  
अना ही होना!

अब...  
ओह...

अब मुझ मुझ पर  
जोसी जामजोसे!

आओ जाहगुन!  
जमना है मुझसे  
जोन चढ़ा बहुत  
मुश्किल है!

चलओ

तुम मेरा दुस्तरा हाथ नहीं देरब रहे हो नागराज! शोली में डूब पर चलाऊंगा!

अहीं! डूब पर खोपी सने जलना! कहां जलने हो तुम ?

तुम दु मे ककाल को फट्टा दो

कहा है तुम में ?



तुमको जगाराज



लेकिन अब निर्दोष की जग खंब पर लगी हो-



तब नागराज निर्दोष भेजे थे एक पत्र भी नहीं लिखा था-

इंजेक्शन में भरा है नागराज की रगों में उत्तरना चला गया-

और कुछ ही पलों में नागराज एक हाथ भाग की मूर्ति बन चुका था-

मिशन कंप्लीट मूर, भुपर काल दोनर में नागराज के मृत्यु को जगदित है अब वह नशी जगदित अब आप पाहेंगे!



और वह हम नशी करेगा जब हम उस मूर्ति के शक्ति बन जायेंगे जिसको नागराज बचता आया था

हमको भापने में पहले बत इस को उस गुलाम मर्दान की लव कलक जकर दिखायेंगे! इससे हमारे गुप्त मिजगवेटिब चैम्बर में परबरा हो!

कुछ ही पलों के बाद मारुज  
का अगीर व अदृष्टि की  
ल लगी से दूर हो जाने लगा था

होश उभरेज काहगल को  
लेब से दूर अटार्डिक्  
के ठंडे सुमार में खींच  
चली गई-





और जब रेस्क्यू  
हेलीकॉप्टर, मैचनक  
पहुँचा तो-

पास मेंबर !  
रूसारी न्यूज टीवू  
के साथ-साथ लेब  
के वैज्ञानिक और कर्मचारी  
भी बेहोश हो ! एक आन्ध्र  
की कटी फटी बोंड़ी भी  
पास में मिली है ! लेकिन  
आगराज का कहीं पता  
नहीं है !



काम पूरा हो जाने के बाद मुक्त  
आगराज की आदम नहीं है !

बहुत कड़ी और अचरार्थ  
का बिनाहा करने के लिए धन्य  
वादा होगा, मुझे इसकी फिक्र  
नहीं करे ! हमारे स्टाफ के लोगों  
के साथ-साथ लेब के कर्मचारियों  
की भी लेने आओ, उनको नुरंग  
मेडिकल महाविद्यालय पहुँचाती  
जल्दी है !

आगराज को अंतर्दृष्टि का  
में ऐसा क्यों था मैंने जल्द  
इस जो वह बगैर मुक्त को  
मूर्तों के बारे में खबर  
किस बड़ा में गावह हो  
गया ?

चककर क्या ?

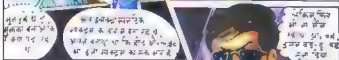
वेदाचार्य विद्यापीठ में-

घर, ये टीबल  
बैचा था मैंने  
लेकिन ये पहला सम्मेलन  
है जिसका पतावा हुआ  
ममक में आ रही है !

आगराज !  
ये पीरियड कब  
स्व-म होगा और  
कब में पढ़ाने  
लगा पाऊँगा



विश्वक !





आपको! ये बालिका  
मेरे साथ पढ़ सक  
अब इसकी मजदूरी  
से दूर कैसे जाऊँ?

मेरे विद्यांक, अब मैं  
लेख मेरे साथ कुचु।  
अगर पता हो, दया के  
रखना कृपया है, जिसने  
मेरा दिमाग बूझा  
रखा है।

आपको, मैंने  
आपकी... मैंने  
आपकी... मैंने  
आपकी... मैंने



आपकी... मैंने  
आपकी... मैंने  
आपकी... मैंने  
आपकी... मैंने

दुखी... बच्चे  
अब?

ओह! बालिका कोई प्रोब्लम  
नहीं है! मैं तो घर मार होऊँगी क  
साथ बैठकर गला पसंद करता हूँ।

मैंने अगर उस  
बालिका को भी-पुके  
जिसने उसे

दुखी... बच्चे  
मैंने अगर उस  
बालिका को भी-पुके  
जिसने उसे

मैंने अगर उस  
बालिका को भी-पुके  
जिसने उसे



ये दे रोजी! ये  
देखीफोन हमनी  
तरफ कयों आ  
रही है?

गुडबड है यार! ये  
तो गंदा लंबा पर सी  
आध घंटे तक बार बार  
लेती है, हमने हमसे  
पकड़ लिया तो लंबे से  
छाड़, ये छुट्टी तक का  
टोड म तो लम्बा

और... अब ये  
विद्यांक कहीं गया?  
हाथ धोने लगे हैं क  
नहीं कयों है, किन्ना  
टाइम हो गया



धम्म, मैंने  
लंबे और ले बालिका!  
बच्चा कसलोगी में  
ले बाबा सो नहीं  
जायगा।

फिर क्या  
करें?

कूटने, जलकटा  
तो विद्यांक का फिर मैं  
पेक्षा कर लेंगी।

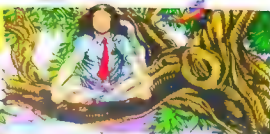
अब

अब मैं...  
मेरी, पीली... सर  
समनाब नीली आ  
लंबे तो कर ले, लंबे  
रखा

मैं, काम में हो बड  
अब किमी मंगी बड को  
हुंदनी में जल, पर किमी  
जल मंगी पर पड़ ही

कुछ ही पलों के बाद  
विश्व के एक अलग  
आकाश पर उड़कर आकाश  
मार्ग पर था।

बैठी लड़की की  
हाथों के अंगुलियों ने  
नहीं पकड़ा; वह ऊपर  
पर भी थी, तो उसके  
अंदर दृढ़ निश्चय।



कुछ ही पलों के बाद  
विश्व के एक अलग  
आकाश पर उड़कर आकाश  
मार्ग पर था।



इस लंबे से तो  
कोई भी नहीं है।  
आकाश में सही  
दोनों को पुर में  
चुके हैं।

पर आकाश में वलने  
नहीं था! उसने अपने  
को भी मार दिया है।  
वानी वह वहाँ का का  
पूरा कर चुका था। फिर  
आखिर वह क्या कहें?

अगर वह मुझ-जैसे बालू  
आ चुका होता तो मुझको  
आकाश में उड़ने देता,

मुझको अपनी खेती  
में बांधकर बंदी बनाता।

आकाश में उड़ने की इच्छा  
प्रकट हो गई। वह मुझ  
में नहीं होती है, और मुझ  
में ही वह उड़ने का विचार  
के आकाश में उड़ने का  
ही विचारों में पुर उल्लास  
को आकाश में उड़ने का

कसाल है! आकाश का  
कहीं कोई पल नहीं है।  
मुझे उसकी आकाश में नहीं  
नक नहीं शिवा नहीं है।

आखिर वह है  
कहाँ पर?





कालांतर! तुम्हारे कलांतर बड़े काम के हैं, बीन! इन्होंने लालच की भावसे बड़ी कमजोरी का फायदा उठाकर हमको सुपुजाबस्थामें पहुंचा दिया है!

और वह कमजोरी है निर्दोष जनता को बचाने के लिए अपनी जान तक छोड़ दांव पर लगा देना!

अब अपने मिशन पर काम शुरू कर दो! पूरी बुद्धि के हर महत्वपूर्ण पद पर तुम्हारे स्थान बैठे होने चाहिए!

बहुत काम तो पहले ही शुरू हो चुका है, मेरे रहस्यमय पार्टनर!

लेकिन जरा सोचो, इस बच्ची को कितने महत्वपूर्ण पदों पर क्यों बिठाया?

लालच के कारण! हमें मान पैसा चाहिए, शक्ति चाहिए और तरकीब चाहिए! तुम्हारे कलांतरों के बिना हमें भरा हंटरमैट का पूरा लाभ उसकी इसी बुद्धि का पूरा फायदा! और अब मानवों को हमसे फायदा होना तो है इनको सारे कालांतरों के मुलूज लालच पर रखकर फिर आंखों पर बैंड बंधे!

लेकिन बापूने ही क्यों ?  
अगर वे कलोन न थे तोने तो  
हमारा का आ मान ही  
मरता ।

हालांकि वे कलोन हुंकारों  
के आँसू बहते दम गुलाब नीली  
बहते हैं, लेकिन फिर भी  
हमारे पास हुंकार असमान ही  
है कि हम हुंकार के बड़े होके का  
हुंकार करें ! वाट रे मरी,  
मासगाज के अन्धकार और भी  
सेने सुपर हीने हैं जो हुंकार  
सेने बिगाव अकते हैं !

पर एक बार जिसका  
के कलोन के कलोन के  
काट हम हुंकार  
अपने हुंकार पर  
मया मकाने हैं ! हम  
मकाने हैं ! वाट रे मरी  
अन्धकार हुंकार कलोन  
मकाने हैं !

और फिर बड़े अकते  
अन्धकार के जने अन्धकार  
कारी होने हैं ! हुंकार  
अपनी मान असमान अन्धकार  
आ मान हैं !

नम कलोन  
मकाने में  
मोचने ही,  
पार मरी

पर एक  
शान तो  
मोचने ही !  
पार मरी

पर वह अन्धकार को फिदा  
नमको सिमी कलोन से ?

नमको हुंकारों  
अन्धकार के मकाने

हुंकारों अन्धकार के मकाने  
शान उस कोडिका में थे,  
मो सेने नमको कलोन  
मकाने के सिमी ही !

हालांकि कलोन  
नो में अन्धकार ही  
मकाने मकाने मरी  
पर मेरी मकाने  
अन्धकार मरी है  
मकाने मरी मरी  
ही कलोन, बलना  
मरी !

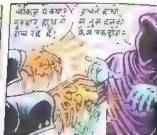
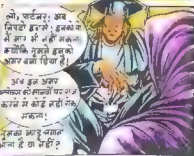


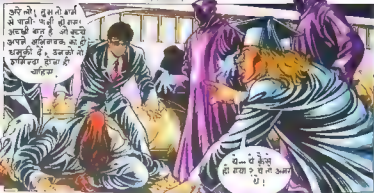
पर नम एक आधुनिक  
मकाने कोडिका में थे ! नमको  
पास मेरी तकनीक है जिससे नम  
एक साध ही देर सारे कलोन बलना  
सको !

सबकुछ आज ही  
जान लोश तो आगे बात  
जाने के लिए कुछ बचेगा  
ही नहीं ! बात के बलना मकाने  
में मकाने मरी !

देखो कि नमको  
कलोन सिस्टम पर  
कलोन करने में मकाने  
ही ! पर वह  
है ख बड़ी !

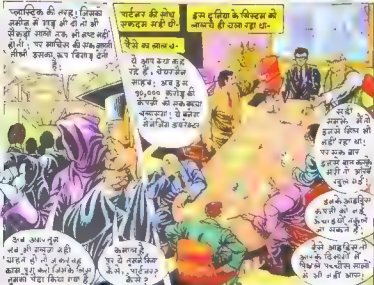
हम  
सिस्टम पर  
कलोन तो  
मकाने मरी !





अरे तो! तुम तो बर्बाद  
से वाली-फाली हो गए।  
अच्छी बात है जो बच्चे  
अपने अभिभावक को ही  
धमकी दें, उनको तो  
हमिन्दा होना ही  
चाहिए।

ये... ये कैसे  
हो गया? ये तो असम  
हैं!



प्लास्टिक की तरह! जिसका  
जमीन में गड़बू हो तो भी  
सैकड़ों सालों तक भी लपट नहीं  
होती। पर माचिस की एक कण्टी  
तोभी इसका रूप बिगाड़ देती  
है।

पार्टनर की ओर  
सकल दृष्टि मारी थी।

इस दुनिया के सिस्टम को  
जाहिर ही चला रहा था-

ऐसे काल का-

ये आप कुछ कह  
रहे हैं, वेयरहेन  
साहब! अब तुम  
90,000 करोड़ की  
कंपनी की एक कण्टी  
बकवास! ये बनेंगे  
मैनेजिंग डायरेक्टर

सही  
मनसे मैं तो  
इसमें सिल हो  
नहीं रहा था!  
पर एक बार  
इतने बार कम्पे  
सरी तो ज़िन्दगी  
रबुन गई!

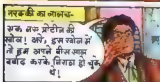
इसके आइडियल  
कंपनी को लई  
ऊँचा डरों तकले  
जा सकता है!

ऐसे आइडियल तो  
आपके दिमागों में  
विश्वसे पच्छीस सालों  
में ही नहीं आए!

अब अंधा नुस  
सब की बकवास नहीं  
बाहने हो तो जकराह  
कास पुरा करो जिसके लिये  
नुसकी पैदा किया गया है।

कैसा है  
पर ये नुसने किया  
कैसे? पार्टनर?  
कैसे?



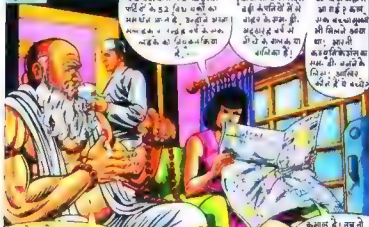


बिना किसी दुकान के जाने दे, और ब्यान्स का प्रिन्टिंग दुकान के बिक्री विभाग पर काम करने लगा था -

दो विधायक राजे श्रीमन्त बचन राज के मुन्डरी बने, उनकी दो विधायक वाली पार्टी को दुकान पर पैसे के 52 विधायकों का मत प्राप्त करने है, उन्होंने उनका मत प्राप्त करने के लिए नवंबर के प्रचारक को प्रचारक किया है -

--- कार्टून के लिए मैं अपना 1000 सोलर बर्ष के नष्ट कुल को बचाऊँ। दुकान की बीम मत में वही के पत्रों में मेरी बहुर के फल-फूल, अद्वैत बर्ष में जीने के मत के पा बालिका है।

कमाल है! नचने के सुपर डेटे की डेट कलें की चीज काही में आ गई? कम मत बचाने मुझों भी मिलने कल था; भारती कल मुझों के मत का मत. डी. बर्ष के निरा: अविश्व की त है वे बचने



ये बच्चे मुझों के हैं! इसको बीन नाम के एक बच्चे को बचाने हैं। उन्होंने ही एक बेसी बर्ष का पदार्थ का नवीन ईसाई किया है। जो बच्चों को बचाने का अंतर बचाने है।

मैंने भी एक बच्चे पहाते बच्चे के एक बच्चे को टीचर नियुक्त किया था। अब उनकी कार्रवाई के कारण मैं इससे नुकसान का प्रिन्टिंग बचाने का गृहण है।

कमाल है! नचने के मुझे भी इस बच्चे में मिलना चाहिए था जो ओकिस में आया था। नचाने की मत के बर्ष में इसको कोई भी पद नहीं दे सकते।

और नचाने को बचाने इस आन एक बच्चे में नचाने सच हो गया है। अब तो मुझों के विभाग हो रही है।

क्योंकि आज नच नचाने के लिए किसी बच्चे के बचने दिनों, नच सच नहीं रहा है।

मुझों को भी इन दिनों में नचाने का कोई पता नहीं मिला है। नचाने के अंतर को बचाने में है।

पर मैं क्या करूँ? किससे नचाने करूँ? मिलन: यन। मिन्तु बेसी नचाने करेगा।



Figure 1

और अब हमारे कोट  
"सुपर क्राइम" में लड़ने में  
लगे और बाकि के लड़के  
चले गए हैं।

विश्वभक्त युगों के अनुकरण  
अमेरिका के राष्ट्रपति ने आज  
सुना जहाँ हजारों मनुष्य  
सक युवक को विश्वभक्त  
का है, मरना सिद्ध है, अब जो  
अमेरिका में वह कर्म की  
परी है कि राष्ट्रपति पद के  
हस्ताक्षर की आवृत्ति के  
वैतनिक में पड़ कर राष्ट्र के

१०० मिमी  
 ५०० मिमी  
 १००० मिमी  
 २००० मिमी

१४ अथ नमो भगवते  
१५ अथ नमो भगवते  
१६ अथ नमो भगवते  
१७ अथ नमो भगवते  
१८ अथ नमो भगवते  
१९ अथ नमो भगवते  
२० अथ नमो भगवते

मैंने तुम्हें  
आवां हूँ।

4. \_\_\_\_\_

हाउ, बिनांक:  
मुहो के अ ७ अण्ड  
होमवक नंहीं  
मिथ्या है कय ७

महाकुल - कौ  
मुकु, में लहरा रहे  
जिन्हा गण्डाद है

नहीं तो भयभीत  
औरि वरु है। चरु इस  
मे बरचे है। और बरु  
भी भयभीत बरचे है।  
ही. ही. बरु भयभीत  
मे वरु है नहीं। फिर  
इस कर्म बरु ?

कुछ तो कहना  
पड़ा मैंने अलग-अलग  
को दुनिया के हर कोने  
से दुःख जिता है  
एक बहकती नदी  
मिथाना

ਮੁਕਤੀ ਲਈ  
ਮੇਰੇ ਮਨ  
ਮੇਰੇ ਮਨ  
ਮੇਰੇ ਮਨ  
ਮੇਰੇ ਮਨ  
ਮੇਰੇ ਮਨ  
ਮੇਰੇ ਮਨ  
ਮੇਰੇ ਮਨ  
ਮੇਰੇ ਮਨ  
ਮੇਰੇ ਮਨ

जागराज  
अब तक बोधस  
नहीं आया ?

कोई  
स्वयं न कर  
नहीं आते

कमजोर है कि मुझको सच बोलना ही पड़ेगा पर पहले मैं जिस को शुरू कि नुम से जान और किसी से नहीं कहूँ।

१. लक्ष्मी कृतः  
 परमेश्वर कृतः  
 मन्त्र है जो वसुधै  
 कुर्वतु स्वयं  
 अथवा शुक्ल साहस अथ  
 ही मन्त्र मन्त्र शुक्ल वसुधै

कुछों कुछ कहिये  
हैं, विष्णु, मैं एक  
नमकन अपने कमरे  
उपर की काली दीवार  
सकन हूँ।

लोही में लोही किचन  
को भी कुछ ही किचन में  
खर कर सकना है, और  
होना चाहता है कि हम  
सामरिक उक्ति का ही हटिका  
की तरह ही हमने खर  
कर सकना है।

हमने  
हमने ही आगे  
होने और यह  
साफ़ नमकन के  
हैं, मैं नमकन  
नमकन हूँ।

अभी मैं पास  
और भी आगे ही हूँ  
नमकन अभी नमकन  
भी पना नहीं है।

मैंने अभी ही सामरिक  
उक्ति में  
पर नमकन की गरीब की भी  
पर नमकन नीचे निकला।

पर नमकन ऐसे काल  
हाथ ही नमकन हूँ, कोई न  
कोई नमकन तो नमकन होना  
पाद करो, विष्णु, पाद करो  
नमकन कुछ न कुछ तो नमकन  
नमकन देना होना को नमकन  
नमकन कर सकें।

मैंने न कुछ भी  
देना था, वह अभी भी मैं  
दिना न मैं था नमकन है, मैं नमकन  
बाद फिर मैं उसे पूरे दू उर  
को नमकन हूँ, आगे नमकन...

विष्णु के दिमाग में अंतराधिक  
की गरीब नमकन बाद फिर नमकन लगी, और-



ओहोहो! मुझ पीक कर रहे थे सिल्लम मुझ! हुसलर मैंने एक बड़ी चीज मेरिस की है! बर्क के एक टेर के पीछे कोई फुल हुआ था!

"एक सुपर चाइल्ड!"

कौन?

"न ट २"

"हं, मुझ किन्तु मेरे हीरा मेरा"



सुपर चाइल्ड! और वह भी फुला हुआ! जाली उसके डल टैरीक नहीं थे! जाली... इन सुपर चाइल्ड्स का संबंध मलाल के साथ होने में है! बेचक, हमको एक मुझ सिद्ध राया न

यैक, मुझ आज पहली बार मुझ लरा रही है! मलाल के साथ होने में तो मेरी भूम नम है! उदा ही है!

चल मेरिजेट करने हैं! होमिलोज मे रिडल भगाने हैं! साध मे काक ग्री



और फिर-

हां! अब दिनाक चयन रहा है! मुझ! अगर सुपर चाइल्ड्स मे लललललल लललललल किया है, सब तो गढ़बढ़ है!

कैसी गढ़बढ़ है

उन्होंने दुनिया की जाली पीवर अपने लहजे में ले ली है! मेरे में अगर हम उनको सिक्का, हम में व हमको साथ ल सकते हैं! और कोई कुछ पुछना भी नहीं

मेरिलल अगर तुमको पता ही न चल कि तुम को न है ल २

जैसे कैसे हो सकता है ?  
हमने अगर मुपर किबुन का  
हृदय जानने की हुनमी सी  
भी सोझिआ की तो वे किसी  
न किसी तरह हमको हूँट  
ही होगा।

लेकिन अगर 'हम' वे  
काल 'कोई और' बनकर  
जरे तो क्या होगा ?

और अगर मुपर किबुन  
जो कुछ पता चला भी तो  
वे हमारे गुप्त रूप को  
हूँटने वह जगें में।

जैसे अभी हम  
जाहरान को हूँट रहे  
हैं ! अगरन जे का भी  
कोई गुप्त रूप बनकर  
होगा !

कहीं वह अपने  
गुप्त रूप में हमारे  
आभास ही तो  
नहीं है ?



दुनिया  
में नका पे...

यस वरुनी, हम मुपर  
हीरोन की तरह आसी मक' होकर  
आवु बरिटी बनगेंगे।

मक गुप्त  
रूप !

नहीं, सिन्धु ! वह  
कोई भी रूप धार न, पर  
अपनी प्राज्ञमिक, तर्कों को  
तो नहीं धृण मकनी है।

मुझे इसकी  
साक्षमिक  
तर्कों का भी  
कोई पता  
नहीं चला।

ओ-के- वाली यह  
मय ही मय कि, हम  
मक गुप्त रूप बनामों  
और मुपर किबुन का  
प्राज्ञ मकनकर सातगान  
को हूँटने की सोझिआ  
करेंगे ! वाली

... हम मुपर  
हीरो बनगें !  
खह 515

पर मैं मुपर हीरो के मु  
बनूँक ? जरे प्राज्ञ तो कहां  
पैवर भी नहीं है ! बुरी  
पैवर के, मुपर हीरो  
कैसा ?

कहां ? धुव  
बुरी मुपर जरे  
के मुपर हीरो  
हैं न

उसके प्राज्ञ की  
मिर्क वाली है  
तो नुकरार प्राज्ञ  
है मुक, न ज  
दिमारा



अब हमने  
मक रूप है कि  
जु पोजाकों  
की

और मक  
जम तो हैं  
की

दुनिया के सिस्टम पर हमने  
सुपर किड्स के डिक्टेरे का  
असर अब मानते दिखाते  
करा था -

दुनिया अब छटपटाने  
लगी थी-

ये! झूट सचो है बच्चे ने  
अभी राक़ हचने पहले ही  
तो ये हम दुकाई को दो  
सौ रुपया से ले गया  
आ!

हमें डिनियाम मत पढ़ा!  
डम दूना की सिमान बचने  
रुपया है! मेरी है तो ये बच्चे  
चलना बने! आ, दुब  
ले ही कास बढ़ा दिया  
दम कदा करे?



पर... पर हम  
वसा के बहोर तो मंग बच्चा  
मने जायगा! येसा मने कर  
मेरे पास पैसे नहीं है!

दुकाई  
दो

मेरे बच्चे की  
आँख बचाओना तो से मने  
जाऊँगा आई!

मो मे!  
अपना कर  
कर



मेरे बच्चे से पहले  
तु मरेगा! अला तुने  
दुकाई नहीं दी  
तो

मने कुं, और नुटो  
मारी दुकाईयां, अब सन  
आवा दास बढ़ा दिया!  
अंधेर सचा रहती है  
कसमसे मे



मने ये ये मुरर किड्स  
आम है नबम हम हारी  
का अंकल मुद्रिकर हो गया  
है! हर राज को धो  
बना लिया है इन लोगो  
मे

हमारे पास भी  
इसका मबी है  
खरीद न मने तो  
नूट ओ!



पुलिस, यहाँ पब्लिक  
मेरी दुकाई नूट रही है  
हां, जी! कबले में 8 का  
चारम सेडि कोज! जन्मी  
आइस

पुलिस में भी 'मुपर किट्टल' की पुर्नपैठ हो चुकी थी-

सभी रुक जाओ, और बूटा हुआ आम कापज दुकान में रुक दो। वरना मुझको दंगा मेकनेके निशान भूट भूट भादुत का ओंठेरा दंगा चढ़ाया।

PART

दंगा : इस दंगा में ही क्या रहे हैं। अन्यथा को अलाव दे रहे हैं।

जैसे तो वह काम अलावा न बसूवी करता था। पर उसकी अनुमति से ये काम हमको खुद ही करना पड़ेगा।

Vipul

अरे, ये क्या बलबलाना। ये भी ना मक मुपर किट्ट ही है। उसी का आईबैंट जिसने इस कंपनी का काम ही, बनकर काम बढाया है।

सब मुझे हथकी। उसकी मुली ने हमारे परिवार की सारी से अप भासगी।

ना फिर सते। से भूद की कामुन व्यवस्था से बिलकुल सरी दुंगा

झूठ दि भूदम

दंगा : अब दुनिया को सिम्रम अपनी हद तक हमारे कब्जे में आ चुका है। पुलिस, फ्लिटीमिन इंस्टीटयुनिसट, जजिस, जैसे हर महत्वपूर्ण पद पर हमारे मुपर नियंत्रण बैठे हुए हैं।

अब दुनिया को सिम्रम बसावन कर सकने हैं। लेकिन उस स्थिति में भी वे ऊपर मुपर किट्टल में लौन नहीं सकने। नाराज को रहने ही गन्ने से हवावा आ चुका है।



"अब दुनिया काफ़ी बड़े हमले शिकारों से कोई नहीं बच सकता-"

"कूट दू किम!"



जहाँ, अपने सन्तान का दुखों के अनुसार ही तुम दुखों में लही सकते, ...

... सिर्फ शिफार कर सकते हो।

और उसके बाद नज़रें दुखों के आलोक पर ओढ़ना पड़ेगा, नुरत.



कौन हो तुम ?

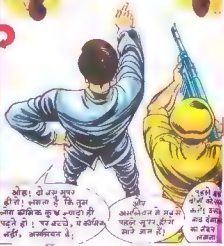
राज कनिष्ठ

नुरतारे दुखों में छिटा नारायण...



... सही

ओ बहा! ने कि कल हीरो की तरफ देव रा



ओह! दो जय मयूर हीरो! असल है कि तुम आज कोशिश कुछ गलती ही पढ़ने हो। पर बच्चे, ये कोशिश नहीं, असमिधान है;

और असमिधान से अब से पहले नारायण सारे जल हैं।

पहले वह दोनो को लो करे! उनके बाद वेमाल का नरेश लजला

सिंहों की चौकली ही बार-बार खोल जायेंगे  
और साइडों की तरफ धक्का पड़ी-



ओहा  
महाराज !  
किस मुसीबत  
में फंसा दिया  
तुम्हें ?

और ये पिछले  
आप जकड़ी  
कारतूत नहीं  
हैं ! अमली  
सबिदा हैं !

घबराओ मत  
मित्र... मतलब...  
साइडों !



ओह ! तुममें बाकई  
कुछ अद्भुत शक्ति  
है ! लेकिन पुलिस के  
काम में भ्रष्टा इन्फान्ट्री  
तुमने मल्ल की लड़ाई  
है.

विरफ्तार कर  
ले इन लोगों को !  
और बाकी मुफ्त  
हीरोन की तरह  
इनको भी जेल  
में धात दो !

अच्छा ! यानी  
बाकी मुफ्त हीरोन  
केट में हैं !

जायद के मुसलमानी  
अभियोग नही  
जायत, इन्फान्ट्री  
काजूम के हाथों में  
गड़कर वे मुसलमानी  
बात बना रहे हैं !  
बर्बा जेल से बाहर  
निकासना उनके  
लिफ्ट पकड़  
अपकसे, जैसा काम  
है !

और फिर एक डंगरे से ही जमीन टनटन की आकड़ों से गुंज  
रही-



पर हम जानते  
हैं कि तुम कलुष  
के कठपुतली की  
भूत बना रहे हो !  
और इसीलिए हम  
तुम्हारा मुकदमा  
करेंगे !

साइडों !  
अब मुसलमानी  
बारी है !



ओ. के. छोटे  
सोमराज! अब  
देखो साइजो के  
दिमना का  
कमाल!



ये! ये अमजब कैसी  
लगाती है! जैसे कि कहीं कोई  
इक भयानक हुआ हो!

हो! अली अलले  
या हो लेलन! ये दुकिया  
कार मलाई हुई है!



बस इसमें इंजन  
मिनी ट्रक का लगा हुआ  
है! और हाँ इसमें  
कंप्यूटराइज्ड सफ़र  
रबर बुलेट गन और  
बुलडोजर मोड़ जैसे  
यंत्र भी लगे हैं!

और इस सब  
यंत्रों को साइजो  
कैप्टन करवा  
है!

अब  
बाद!



कैसे बचो! ये कार तो  
जैसे इससे देखने में रही है  
जिधर जाओ, उधर ही घूम  
जा रही है!

मुझे तो सिर्फ़ ट्रक  
रही है! न मुझे तो माल  
बुलेंट भी माल नहीं  
है!

मिस्टर  
दिनी हो  
मम हो-

अब सुपर किड और  
छोटा नागावत अलग  
आसने थे-

नागावत है मुझे नुकसान  
अपने हाथों में था न  
सुरक्षाएं करवा पड़ेगा  
और वा कि... मर-न  
ऊगा मुझे



यह तो  
मर-न ही  
सकता है!  
किस हवा  
नून मुझसे  
उद हवा है  
कि...

... सोचने में  
रुकी है

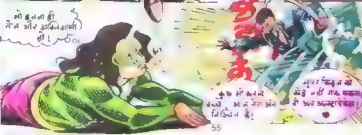


नागावत, मुझे नागावत  
है कि नून कुछ मर-न में  
आता मर-न ही कि... मर-न  
होना आइ-न कि... मर-न  
मर-न पड़ेगा

नूनको मर-न  
ही पड़ेगा

आइ-न मर-न मर-न  
है मर-न मर-न मर-न  
मर-न है

मुझे ही  
मर-न ही मर-न  
पड़ेगा



मो ह-न ही  
मर-न और मर-न  
ही है

कुछ ही मर-न  
मर-न मर-न मर-न  
मर-न है

मर-न किडन को  
मर-न मर-न मर-न  
मर-न मर-न मर-न

यही जान नुल  
कोटा जायज  
के बारे में भी  
कह सकते हैं।

ये इनकी बड़ी ओर को  
इनकी अगल से कैसे  
नह जका। हाथ की  
हड्डी चटकने की  
अवस्था में मैंने सुनी  
है। अब जाए करन  
को मरिका बचनल  
पड़ें।

और उसका दुमन  
कोर, अब को पाउ  
करना हुआ दुमनी  
के साथ ही पर कम नाल

ओह, ऐसी काहनेमिज  
सबारीक शक्ति का  
बचन ओ को चला सकने  
की शक्ति

ये कह कर  
कह कर ही सबको  
में सुनने का  
पल में रहे  
योग।



हथकड़ी अपने आप प्रेस में बाहर निकल  
कर सुपर फिंड की कलाई पर आ कली-



अब जान ओ,  
कहाँ है जायज?  
वहाँ  
कहाँ है जायज?  
वहाँ की है  
कहाँ सुनने  
देखने का  
पल पर  
हैं।

वह पल नुलसे  
जहाँ मिलेगा।

राम  
को नुल प  
सुनने का  
पल पर  
हैं।  
अ-550 ह.  
क या बके नुल  
दा नुल ? केवल  
लाबा राज ? कैसा  
जायज ?



मेरे सम्मोहन के बंध में आने ही मुन्हाजी जीभ अपने अंग हिलने लगती

आह, सम्मोहन! दुसका हाथ मेरे दिमाग में भी भर है, चंचल



मुन्हाजी भी सम्मोहन चलाता आता है

असह्य है! मुन्हाजी और शक्ति लगती पड़ेगी

दोनों प्रतिद्वंद्वी एक-दूसरे को सम्मोहित करने की कोशिश कर रहे थे-

छोटा नागराज का पूरा ध्यान सम्मोहन चलाने में था-

और अदुभट की वही कमी उसके लिए जानमेदा सिद्ध होने लगी थी-

रुबंने के शिरपर पर लकी लकड़ तेजी से नीचे झुकी-



क्योंकि वह यह नहीं देख रहा था कि हथकड़ियां टूट चुकी हैं-

और सुपर किड का हाथ बिजली के सभे पर बढ़ता जा रहा है-

और बिजली के तेज झटके ने छोटा नागराज के पूरे दिमाग को हिला हला-



हा हा हा! सुपर किड पर दोन जगह के बच्चे! वह खतम हो या नकल!

अब मेरी आंखें  
मेरे जूते के नीचे  
हैं।

बहुत बचक छोटा लहराव की  
कोस की लगी को नौक़ हलक़ों  
के निज़ काफ़ी था-

लेकिन उससे पहले ही-

मृग की दृष्टि की धमकियां दूर बढ़ें।

अब, छोटे लहराव

अब, मेरी  
मेरी मित्र

और फिर वह काग़ का धमकियां लहरावों  
में लहरावों में बढ़ें-

वह काग़ का  
वह काग़ का  
आजों का

आज, मेरी  
मित्र काग़ का  
मित्र काग़ का  
मित्र काग़ का

अब हम क्या करेंगे ?  
अब किसी सुपर किंग के  
पास भी हम न के हमारे  
हमारे से ही समझ जमान  
कि हम ही खोजा जायेंगे  
और साइडो है !  
बहुत डरेली बेट है !

मद में लेते हैं मुक्त !  
किशोरावस्था में मुक्त  
जाना है ! कहीं तो जहाँ  
सुपर किंग टीन फिर  
लेने पीछे रह जायेंगे !

बसने में  
उनका क्या बिगड़ा  
है !



मेरा टीचर  
बोले : बस !

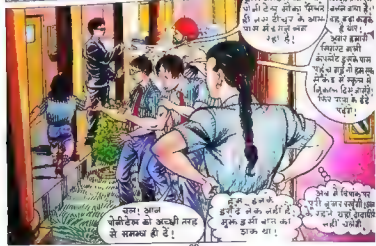
यस  
+ क ?

तो भी मुक्त  
सुपर किंग है न ?  
हम इस पर ज़रूर  
रख सकते हैं ! कभी  
न कभी बह भूँसी  
बुद्ध जन्म करेगा जो  
हमको या तो लावारण  
जक पहुँचा अके या  
उनके सेही इगट  
बनाये !

युद्ध आइडिया मुक्त !  
हम इस पर ज़रूर रखेंगे !  
अपना मुक्त रखना है  
मेरे मुक्त पर का जक !  
ओ.के. !



और फिर-



धार गेली ! मुने मुक्त  
आत मोटिया की ? ये  
पोली टेक मोका सिमर  
ही नम टीचर के आत  
पास में ब गले लहा  
रहा है !

मेरे मुता है  
किबू सिमिपम  
बनल गया है !  
वह बहा कबूके  
है धार !  
अब हमारी  
मिशगट कभी  
कंपाउंट हुलके पास  
पहुँच जाऊँ तो हमस  
मेक इ में मुक्त मे  
जिकलम रिम गोरी !  
फिर पाया क ईटे  
पवरा !

चल ! आन  
पोलीटेक को अच्छी तरह  
से समझ ही दे !

हम डलके  
इसी दे लेक नहीं है !  
मुक्त डमी बाल का  
आक था !

अब मे विधांकर  
परी बुलर पवली ! हम  
के गदने यहाँ रोवधि  
नहीं चलेही







मैं भी आती हूँ, बिचकू!  
न उनका सीधा नहीं है  
जितना दिखता है।

हैडमार्टर नंबर १-

४-०० १३५.

हमको यहां पर  
बुझाया क्यों गया है?  
मैं न जाने किजनेहुंफोट  
क्या होबुकर यहां  
पर आया हूँ!

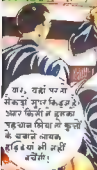
हमको ने कोसिका  
से बाहर पहुंचने में ही  
जसीम एंटी ब्लाक  
लेकिन भुकर बुझाया  
गया है तो चला  
नकरी ही होना!



हम को आउट  
फाइटिंग की हेमिंग  
ही जगती!

हेमिंग नहीं  
बढ़ जासकती  
सीधे हलारी  
मजारी में पीछ  
कर ही जासकती

यस कहा  
म आया हो?



या, यहां पर मा  
सेकड़ों मुपर किहुन है  
आर किनी न हलका  
पहुंचान लिया तो कुत्तों  
के बचाने लायक  
हड़ि बयां भी नहीं  
बचेंगे!



बुन रहो मुन, यहां पर  
मुपर किहुन एक-दुसरे को ही  
ठीक से नहीं पहचान रहे हैं! हमको  
कोन पहचाने?

यस मुन  
अपना पसीना  
चेंधने रहे।

और फिर-

मुपर किडन! आज बड़े मजे-मोहारे दुनिया नुस्हारी जक जयसुर कर रही है, ओ नुसरे मुनका कसनी है! लेकिन वह बड़ी तीव्र-चौकई अबादी ओ नुसरी है, वह अब किसी भी जगह जगजन कर सकनी है!

और कजावन से वह पूरा सिस्टम बरसराकर गिर जायगा जिसके बल पर हम दुनिया पर राज कर रहे हैं! इसीलिए वह चेकरी है कि नुस सबके अंदर कजावन को रोक्ने की क्षमता पैदा हो!

मक-मक मुपर बिद्व को पचास पचास अर्दरिफेस भरी का कहिये! इन कम दुनिया से मक ही है जिम्मे, और वह क्षमता है! लेकिन ओ यह क्षमता नुस नहीं मुपर किडन के अंदर पैदा हो जायगी! ओ वह भी वन जिदों में

इसके बहुत क्षमता वाली जगहन का मुपर सीरियल किलर खाओहोता अपने सिस्टम में भरी फाइटिंग की गुन कप्पा हारीहीरो के हर शॉपेंच को नुसहारे दिक्क में ट्रांसफर कर देगा!

लेकिन हम तो अगर हैं! हमका तो मार बरबारी मिलकर भी नहीं मार सकते

नुस अगर नकर हैं लेकिन कोई भी जेद का छाव लगाने पर नुसके कई हाना है और नुस बड़े बड़े हाना हो पैदा हो जायगी! मिनि से बरबारी है

तुमको सिर्फ अपनी टेबलों पर रखे 'मूस मेमेरीटो' को अपने सिरो पर रखना है और फिर वह ब्रह्मा शुक्र हो जायगी! वनो, जलु हो जाओ!

ये तो क्षमता है नुसहारे - वही आदमी जो कहता है कि मुपर किडन उसके अजाजगज के मुपर जलुकेजन सिस्टम की दोन है

पूरी है नुसहारे क्षमता है, ओ आदमी यह या नो जगहन हो नुस किडन को को बड़ी नुस जगना और जगहन से जगहन ओ नही सिस्टम

कहीं इन लोगों ने आकाश को छू तो नहीं खाया ?

नहीं! वह अभी ज़िन्दा है! मैं इस बात का ज़रूर समझ कर सकता हूँ!

प्रक्रिया शुरू हुई! और...

अर्रीय!

क्या हो रहा है आकाशीय ?

अब मुझे मैं सतलिक अग्नि का प्रयोग करने, टॉमसमोरोटा के ज़रिम सहायियों के टिकावक पहुंचाना! और उसके दिमाग में हॉरीहोरो की सारी जानकारी को ही भाप कर देना!

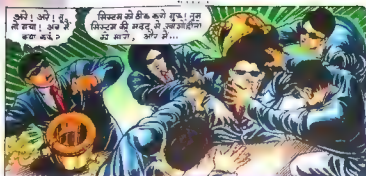
फिर वे सुपर किडन उस जलजोड़ी और घनक कला को काशी नहीं पा सकते हैं!

आइए, सब बढ़ रहे हैं, मुझे उस कोई डाकिल से पसंद है! अग्नि को ज बहाव को बाहर निकालें और उसे जल में गिरा देंगे!

वह मुझे दुंदुज की कोड़ी का कर रहा है! अब मुझे आकाशीय की सेमोरो को नहीं, बल्कि टमसमोरोटा को नष्ट करना होगा!

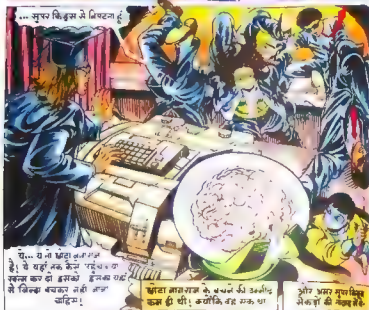
और वे सारी गड़बड़ी वहीं से शुरू हुई है! कुछ गड़बड़ है! उस सुपर कलाक वह टॉमसमोरोटा किड को पकड़ रही जल जल है!

टॉमसमोरोटा बहुत मजबूत की तरह फट रहे हैं!



अरे! अरे! वृ...  
ले गया! अब मैं  
क्या करूँ?

सिस्टम को ठीक करने शुरू! नून  
सिस्टम की मदद से ज़ाउरीनी  
में सारे, और मैं...



... सुपर किड्स में लिपटना हूँ

ये... ये तो छिटा का मज  
है! ये यहाँ तक कैसे पहुँच-  
सकेंगे? इसको हटाना यहाँ  
से ज़िन्दा बचकर नहीं स-  
कतिय!

छिटा जगन्नाथ के बचने की उन्नीस  
कम ही थी! क्योंकि वह एक था

और अगर सुपर किड्स  
मेकर्स की मदद न-  
होती...

लेकिन सुपर किहूज की हो  
कमजोरियाँ उसे पना अब चुकी थीं

वे थोटा का कुर्ब महमूज  
ऊँर सकते थे-

और बेहोडा हो सकते थे-



साइडो थोटा नाबराज  
का हुआ महमूज ख-

ये महमूज, मेमोरी ट्रांसफर करने  
के निपटन का केन्द्र है! C.P.P.  
याही सैद्धांत आमेसिंह सुनिट! इसके  
आधर में ठीक कर सकूँ तो काम बन  
सकता है!

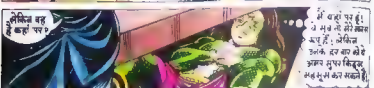
लेकिन थोटा नाबराज के स्मिग  
बान बिगड़ती जा रही थी-



सुपर किहूज तो समूह  
की महमूज की तरह आते  
ही जा रहे हैं!

मक माह का मक  
रह कर इनका मुकाबला  
जहाँ किया जा सकता!

महमूज  
और मोर्य स्वेच्छे  
पडे़गे!





अब सुकाबला बराबरी का हो रहा था -

ये इसकी पीट ले रहा है लेकिन इस इसको धूँ भी नहीं पा रहा है, क्यों ?

सक प्रक्षेपण!  
सांत्विक प्रक्षेपण!

और सांत्विक प्रक्षेपणों को नष्ट करने का तरीका हमको सिखाया गया है!

हमको सेंट्रल गजर्जी की एक ऐसी यिन्ग पैदा करनी होगी, जो छोटा नागगज के सांत्विक कणों को अपने अंदर स्थिति में ले !

छोटा नागगज के सांत्विक कण कुलकुलों की तरह फटने लगे -

और अभी भी छानल में कुछ छोटा नागगज को इस पैदा करने फटलकल का सांत्विक नहीं हो पा रहा था -

अलविज्ञान खतर उसकी तरफ बढ़ रहे थे -

इसका सड़क ही सड़क नहीं हो पाई  
ही सड़क नहीं हो पाई

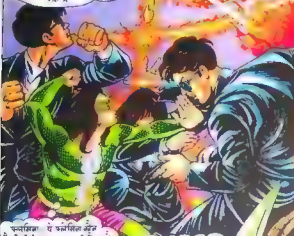
गैस की सड़क नहीं हो पाई  
गैस की सड़क नहीं हो पाई

और कोई उस खतरों की तरफ बढ़ रहा था -

ये आग के गोले क्यों से आ रहे हैं ?

ये आदम फ्लेमिंग उसने  
नहीं है, जो मुझ सबकी मौत कर  
कर तुम्हारे मित्रों पर मंडल  
रही है

ये क्या हो रहा है ?  
सुपर किंग्स ने जीने  
आत्म हो रहे हैं। वेने  
ने सिस्टम पर काम  
द्वारा प्रिंजल बनाये  
पढ़ना आसानी ! इससे  
रोकना होता ! और  
फिर हाथ डमके कि  
यह ही डायमंड रोक  
सकता है...



फ्लेमिंग ये फ्लेमिंग अरेन  
है जो मेरी लड़क कर रही है और  
तुम्हारे कैसे पता चला कि तुम्हारे  
मेरी लड़क करके के लिए यह  
पर आता है !

और न ये क्या सोचने  
नया विचार न सोच के पता चला  
इतना दुर्लभ काम ही पर रहा है  
मुझे यह पता चला

रखी आ रही है !

यह है



यहाँ है वह जिसने  
मुझसे दिसा में करीब न  
को मिलने की कोशिश की  
थी ! छोटा लड़का !

तो स्वाड़ी ही तो  
इसको मिटा दालेगा!

य काम इनका  
आसान नहीं है,  
मरा जा ही ले

मेरा सजाक इहारा  
है, मे वही मुंही उहा  
इतना

यहले हुं नो  
लो कि में कहा  
या

नरो य  
चाप मेरे साथ  
आ सस ह!

मेवा इतिहासो नो इस मही  
का सब मे बहा हु-भरा  
प्राक हु-भरा मे हे कथो-  
एक वह केवल इतिहास  
मे नहीं सरने...

जबपानी बचाव में बाढ़ हुई  
 डाकिलियां भी हैं मेरे पास  
 मैं सिर्फ अरीर में नहीं,  
 दिमाग में भी सारना हूँ।

यानी अब हमारी  
 लड़ाई का दिमाग नहीं,  
 अरीर नथ करेगा।

अगर मेरे हाथ  
 में भी एक तलवार  
 होती तो मैं नुस्खे  
 ये लड़ाई कुछ ही  
 मिनटों में जीतकर  
 बिन्दू देगा।

तो फिर फसेमिला  
 में लड़ने सांसें छोड़ा  
 लाहनाज।

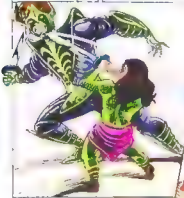
ये रही  
 एकदम ताजी  
 नक़्क़ार।

चैंकपू फसेमिला!  
 तुम्हारा सहायक मुझ  
 पर कधार रहा।

तब कारवाजी का वह मुकाबला अद्भुत था-

सब तरह सब सधे हुए अद्भुती कथित के रूप थे-

आहिर था कि मुकाबला सब तरह था-



और दूसरी तरफ सब सेना बढ़ रही थी, जिससे अभी अभी मुपर हीरो का विश्वास पहला था-

छोटा जागराज अकेला था ही नहीं-

लेकिन आजी हीरो को सन्तान आना नहीं है-

एक ही हीरो ना नरक काट दामन-

फलेमिज को छोड़ और अपनी मोच बढ़ो-

आइस है



नलबाप दो दुकदो में बंट गई-

और अचानक मार छोटा  
समय का वो दो दुश्मनों में  
बाँटने लगता था -

लेकिन मजबूत स्मॉलीहीने  
को पूरा हो गया था -

तेल मजबूत  
पूरा हो गया,  
छोटा मारा मारा!



मजबूत ने अपना  
समय पूरा कर  
दिया था -

स्मॉलीहीने का दिमाग एक बुरा गिर  
'टांगमेन्टोरीटो सिस्टम' से जुड़ा -



और...  
मुझमें तब तक  
कुछ नहीं था  
सबसे कम समय...

सबसे कम समय  
मेरे पास में  
नहीं है पराया है



छोटी की शक्ति में मैंने  
मुझमें सिस्टम में लग की शक्ति  
कम की स्मॉलीहीने का दिमाग में मैं मुझमें  
को मेरी को निम्नतम, धार्मिक मेरी  
आम ही है!

हे... ये तो  
अचानक बने  
पर कैसे?



और अब मुझमें भी  
यही शक्ति होगी! मुझमें  
दिमाग में हम सब की  
मजबूत बुरा तरी

गंधे की!  
मैंने...

नो फिर बुरा आ  
कि व मुझ कि क का  
वक्तव्य क्या है?

श्री प्रिन्सर्ट  
मी ही की मज  
पाव हो बुरा-

और फिर-

सुपर किंग तो अब  
तब तक अंदर बंद रहेंगे  
अब तक ये दरवाजा नहीं  
खुलना!

और अगर  
उन्होंने ये दरवाजा  
खोल दिया  
तो ?

और मुश्किलों से  
मेरी ज़ुबान का पना  
है!

आओ,  
मेरे साथ!

तो दूसरा  
नया दोस्त खाशोहीने  
तो डलको नहीं जाने नहीं  
देना!

अब इस डील  
का क्या करें ? पुलिस  
के हाथों पर दें ?

प. ३. वहां से तो इस  
घटना की शुरुआत इसके  
घटित होने तक पहले जगहों  
हमसे कम दूरी होने तक  
केट से हमसे पहले

तुमको पूरा यकीन है  
कि डील इस खोखले तले  
में बाहर नहीं निकाल पाएगा ?

जिम केट से वह  
अंदर जा रहा है इसमें  
बाहर भी तो आ सकता  
है!

जहाँ  
आयगा!

वे आप उनकी  
पहले दूरी करेंगे

कमाल है! अब  
मुश्किलों का  
सामना है! पर  
क्यों ?

क्योंकि मैं  
छोटा जानवर  
हूँ!

पर तुम  
कौन हो ?

एक एक करके  
पहलियों मुलाभों  
छोटा, मायाजाल!

पहले  
सुपर किंग  
की और फिर  
मेरी! बकी!

और फिर-



यही है वह अनाधन्य  
निराशा पत्नी हीन ने हमको  
दिया है! ये कानून में एक  
सीक्रेट कावेलीन है जहां पर सुपर  
किडन की स्पेसिफिक करके उनके रिश्ता  
में पूरे इंटरनेट का ज्ञान भर दिया जाता  
है!

इसको अष्ट करने में  
मभी सुपर किडन अष्ट हो  
जससे क्या, खोता नज्जल?

यह तो बना फल मुक्ति  
है! पर यह पक्का है कि और  
सुपर किडन बनने बंद हो जाये  
और फिर हमको हीन के पक्षों  
में भी तो लिपटना है!



हीन के अनुसार  
जाहंगीर भी यही  
कहीं बंदी है!  
और हमको अनजद  
हमका हीन पहला लक्ष्य  
है! अगर जाहंगीर मरना आ  
जाता तो सुपर किडन बैसे  
ही बनना हो जाये!

हीन है! जेदम  
स्टार्ट ऑपरेशन और  
सुपर किडन!

जिनाद, मत  
माइने! बर्न इन  
यही पकड़ फिर  
नयेगा!

ये फिजिकीय  
ही जेड के फिन  
अंशालकर रहा!



अज्ञातमय की आँख में  
घूमने वाली उस मुद्रा  
सिंह के अंदर-

हीन फेन नहीं उठा  
रहा है। कुछ गड़बड़  
है क्या?

गड़बड़ तो हो ही  
जही सकती...

... ये तो जानापाया, क्योंकि  
इस बहुत पुरी दुनिया में गड़-  
बड़ी फैलाने वाले दो लोग  
तो यहां पर बैठे हैं: मैं और  
तुम!

फिर भी गुरुदेव! जब  
औ तुम दुनिया पर राज करने  
वाली स्थिति में बसने हो, तब  
कहीं न कहीं पर गड़बड़  
जकर हो जाती है!

तुम बार केसा  
कोई सांस नहीं  
है, जानापाया  
क्योंकि हमारी  
छो जगहों को हर  
बार नष्ट करने  
वाला डाकस तो  
इस बकत हमारे  
सब पर ही  
जिन्दा है!

चाहते तो कहो, गुरुदेव  
मुझे तो किसी गड़बड़ की कीं  
आज्ञा हो रही है!

हीन जकर  
किसी से पिट  
रहा है!

सक तो हीन को पीटने  
वाला कोई डारुन अभी धरती  
पर है नहीं! और अगर हो भी,  
तब भी वहां पर सेकड़ों असल  
मुपर किड़-अ मौजूद हैं! उनके  
रहने हीन को अमेरिका की सेना तक  
बुझा सकती है! नू हमारे बगल में  
छाया है!

दुकरा काम अब  
बैठ ही गया है,  
मुकदेवर ?

बस है न : देख : मुपर किडन  
की ये अखिरी स्पेस तैयार हो रही है !  
और ये तो तुमको पता ही है कि ये स्पेस  
मेरे शरीर की असर कोशिकाओं से बने  
कनेज हैं ! इमीग्रिस इनके इन्फिन्क की  
मरनें भिन्न मेरे इन्फिन्क की मरनें में  
अलग समान है !

और मेरी मरनें को इनकी मरनें में मरनें में  
तो दुका मेरे मरनें का काम है, उस हद पर,  
बाद ये मेरे इन्फिन्क बने मरनें है,



अधिक कम  
साद नु अब यह सब  
इनमें से किसी भी मुपर  
किड के मरनें को  
आवे इस से मरनें है कि  
बहु इस शरीर की  
कोशिकाओं को बच  
कर है !

और ऐसा होने ही न  
मुपर किड तब तक न  
मरना

मुपर किड की मरनें  
मरनें न ले सकना है,  
मरनें ! ये दुष्टि के मरनें  
हैं, पर नु दुष्टि के मरनें

शादी अब से  
असकन लगाना शुरू  
कर, मुकदेवर, बाह !

अरे, रबतरे का  
असकन क्यों बने रहा  
है ?

जैसे मुकदेवर का  
पर घुमने की गन्ना  
कर रहा है ?



ये तो धोखा जा रहा है  
और हमारे मापी हैं,  
इन्हें यहाँ का पना  
करने वाला ?

देखा, मुझे ?  
इतना ही है ?  
न ?

तो फिर मुझे इस समझ को  
नहीं तोड़ें के खुद से बंटा  
करना पड़ेगा,

जल्दबाई के हाथों से हमारे  
के भिरा नैवार हो जाओ!

अरे ये चिल्लाकर  
मुझसे का अला कया  
मुझबला करोगे ? इनके  
भिरा में नैवार हैं!

न जाकर 'बेन'  
बेन' येयर पर बैठ  
और अपने दिमाग का  
अंपक, जय मुझ  
किटन मे जेद।

"नब तक मैं इन मीनों  
को मुझपुंठ देने के भिरा  
अपने गुलाब को भेजता हूँ!"

ये गरीब लैडीसों  
पहरेदार! अब समझ  
सफ है,

ये कर्तु तरफ के  
छोले को जेदुकर बलाच जय  
सक यथिक, मिस्टम भालत  
है! इन्हें बलाचें लाला योनों  
का सहाय जाला लाला है!  
वे पंज जल्दबाई सच में  
सक लालाचक योच है!

मेरी आग कुछ सी  
भूमक कर सकती है! मुझ  
देतो पीछे हटो, और  
पमेसिका को जल्दबाई  
करते हो!

हाथों से ?  
स हाथ हैं  
कहा पर ?

ये कया  
भीन है छोटा  
जल्दबाई ?

इसका भिरा-पेर  
कहाँ है, कुछ  
भी जल्दबाई, मैं लौ  
आ रहा है!

'जलसाह' के बुरे से बुरी हुई फ्लेमिंग के  
कॉर्नर का मशीनी सतह पर बरसने लगे-

और मशीन के कई हिस्से आग की लपटों में फिरे-

देख, जेब  
मकान। मुन  
मिन जलसाह  
को खतरा  
कह रहे थे उसने  
फ्लेमिंग ने पानी  
दे दी

नहीं!  
जलसाह सचता नहीं  
साचता है!

फ्लेमिंग को वह  
नोका नहीं मिला-

जलसाह  
गया जलसाह!

आहा, इसके अंदर  
आग बुझने वाली फ्लेमिंग  
मिशनर भये हैं!

मे ससक गड  
इस बार मैं हल मिशनर  
का ही विचार दूंगी

'जलसाह' ने उसका आग का ही बुझा दिया

और फ्लेमिंगा (मर्दाई)  
से साहज हो गई-

आह

धड़ाक

अब तुम  
क्या करेंगे, खोल  
मरगाज ?

तुमके अंदर  
तो कोई ऐसा  
कंप्यूटर जैसा  
भी नहीं है जिसे मैं  
बदल सकूँ।

ये सिर्फ एक मशीन है।  
साइजो, और ऐसी मशीनों  
को तो हम बचपे खेप-  
खेप में ही तोड़ सकते  
हैं।

ई 555  
मेरे बाप !

ई 5555 ! ये बाप ! तुमको  
जिंकले में जकड़कर तुम्हें  
तोड़ रहे हैं !

लेकिन-

अब क्या  
करेंगे ?

और ! तुमने मेरे बाप  
काट दिया, ये तो हनु इच्छा  
से जैस होकर आया है !

तुमको  
तोड़ूंगा !

अपनी साइबिक  
शक्ति से !

पर ये तरीका भी  
कारगर सिद्ध नहीं हुआ-

साहू! इसकी मेटल की  
बाहर बांधी मोटी है! इसको  
मेढ़रे की कोशिश में नो मेरा  
दिशाव ही दृढ़ जगल!

जब लार कपड़े की कपड़ी  
जलजल की है-



हा हा हा! भट्टा  
महाराज की राय! अब बच  
नीमरा भुलाना बचा है!

उसके बाद ये  
नीमों की महाराज के  
साथ भर्त्ता:

जक  
अपलकसे

छोटो महाराज!  
तुम ठीक तो हो  
न?



ठीक तुम ही  
हैं, अभी तक  
आप नहीं है  
दुखी नीमरा  
और जलजल  
होने लगी है

उसके लकीर हैं! तो  
न जल सकनी है, व जल  
सकनी है, न दृढ़ महमूम  
करनी है और न हलारे को  
म दृढ़ सकनी है, बस  
ह... अहह

अब इस 'हाहहह'  
क्या मतलब है?

फनसिजा तुमको  
ये मेटल मालाकर  
एक चीज बतानी  
है!

मालाकर! पर  
मेरे पास बहुत कम  
शक्ति बची है,

मालाकर!  
अब मुझे...









ओह! ये बच्चे हैं  
क शैतान! ये अगर  
ऊपर तक आ गए तो  
इन्हें ज़ख्म कर  
देते!

देखना मुकदेव! मैं  
न कहता था कि...

धुप! मुकदेव  
धुप!

तु धखन कमिशन कर!  
अगर दिसात का इन मुएर  
किर ऊ दिसातों जे मेरेक मोहू

और उन् मीन  
डोनातों के गोकले म्हाकास  
मूक पर छोड़ दे!



ये वहाँ से  
जिन्हा बचाकर  
सही जागते



गुप्त लेब का  
मुख्य द्वार-



उस गुप्त लेब की लोक  
नहीं सकत छ-

निपट करन छ- होटल अलका-



आओ, निम्नो  
वही देर बरत ही वहाँ  
तक आने में!



CALLING  
SUPER  
KIDS...



बुद्धिजी ने  
मिडि आगे बढ़ा  
था।

ये... ये तो  
बुद्धिजी है, और  
इसने लालाजी से को  
बंदी बना रखा  
है।

और अगर ये यहाँ  
पर है तो लालाजी भी  
यहाँ पर जकड़ होना।

धाली हीन के दो  
गहन्यमय अदोही  
वर्दी होना है।

पर अब नहीं,  
अब नुलकी पहलू हन  
के होना करेगा और बाद  
में कलहना लाल।

बुद्धिजी! मेमा  
सोचना भी मत। क्योंकि  
इस बुद्धि लालाजी की जान  
को मैं कटोना कर रहा  
हूँ।

एकवम  
अभी जलने, दो  
दोनों ही इस बुद्धि  
मुपर किडन के  
माल्यम से पूरी  
दुनिया को कटोना  
कर रहे हैं।

नृसंहारी एक छोटी  
मी हरकत में मैं इस  
कुंठनर के नापसंद को  
और गिरा दूंगा, और  
लालाजी को बदन को  
के शिवालय की तरह दूर  
जावना।



और अब रही तुम तीनों  
को मौन बैठने की बात तो उधर  
देखो! यमदूतों की टोली  
नज़रों से जाने के लिये  
दरवाजे नक आ चुकी है.

ओ! सुपर किड!  
ये सारे तो हमें! अरे ये  
तो अभी-अभी हमसे  
पिट चुके हैं!

पर इस बार तुम इनसे  
विटोरो! क्योंकि अगर तुमसे फलट  
जाए इस पर बार किया तो लाइलाज  
सारा जायगा!

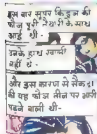
और ऐसा  
में जिक्र सक बरन  
दबाकर कर सकना  
है!



यह तुम नहीं  
कर पाओगे दुश्मन!



अरे! मेरे दोनों हाथ भुग्न हो  
रहे हैं! बटन दबाना तो दूर, मैं  
इनको हिलाना नक नहीं पा रहा हूँ  
यह नकुर छूटा लाइलाज की  
कारणवारी है! खत्म कर दो  
इसे!



इस बार सुपर किड्स की  
फौज पूरी मैकरी के साथ  
आई थी -

उनके हाथ गवामी  
वहीं थे -

और इस कारण से सैकड़ों  
की यह फौज सील पर अली  
पड़ने वाली थी -



साइडों, इनकी मैं  
और फलसिला सेकेंगे,  
तुम जाकर उस सिस्टम  
में टूटकर जट को  
त्रिममे जय सुपर  
किड्स पैदा किया  
गा रहे हैं.

आ. के.  
और यदा से अखन  
के लिये खैदम.



ओ, हेन! मैं  
अपने आपको सुशीवन  
से बचा हुआ मजकूर रहा  
छा, लेकिन यहाँ पर तो उस  
सुशीवन की जगह है

वे जकर लड़कियाँ  
ही होना, पर वे जीको  
में बंद मुचर किडन के  
साथ क्या कर रहा  
है?

पास जाकर देखना  
है, वहाँ इसका  
मुलाकात करवाती लगेगा



ओहो! सारा काम इस  
मशीन के जरिये हो रहा  
है! और इसके अनुसार  
आवाज़ें, मुचर किडन के  
ब्रेन को कंट्रोल में ले रहा  
है! इसमें बहुत सारे 'मच  
हैबर' भी मिले हुए हैं!  
'ओबे, फाइट और इन्स्ट्रक्ट'  
वाह! अगर मैं 'इन्स्ट्रक्ट'  
ऑफन ले लूँ तो क्या  
होगा? देखते हैं!



'इन्स्ट्रक्ट' ऑफन पर  
किया करते हैं-

अरे! मुचर  
किडन तो पिछा  
रहे हैं! यमुब को  
नष्ट कर रहे हैं,  
यानी जागपाड़ा  
इसको नष्ट हो जाने  
का आदेश दे सकता  
है!

मैंने! १  
क्या हो रहा है?  
किडन की है क्या  
रचना?



ये! तु... तु तो साइडो  
है! थोड़ा बायुन ज का साथी!  
तु यहाँ मुझे कैसे पहुँचा रहा?  
और... और तबकी कैसे पता  
चला कि मैं गुँधर किन्हु ज का  
सदस्य हूँ? और मुझे कल  
दे सकना हूँ? और मुझे कल  
नहीं!

साइडो जिधर भाग रहा था उधर  
स्थिति और भी गंवार थी-

हाथ मूजने हूँ तो  
कलामें छोड़ी में बहुत  
दब केला; और बहुत  
दबने ही भागमज का  
के मुहरे की नरक दूट  
आमला; ही ही की!

ओफ़! गुरुदेव  
छोटी में बहुत को दबने  
जा रहा है! उसको  
मेकना होशी!

फर्नेसिया: मुकड़ी  
समना है गुरुदेव को  
रोकने का दमदार  
तक़्क को जाना हो

तब क्यों  
मेर, जिया  
नम कहो



पानी की मोटी धार ने फर्नेसिया को तालाब में  
बढ़लना शुरू कर दिया-



मुझे हवा  
में उठाऊ  
फर्नेसिया!

अब क्या?

ये!



चला य  
काम भी कर देगा  
तु!

केवल दूढ़कर पानी के तालाब में शिर-

अप-

अरे, जहाँ! ये सही बिजली का कटका गडकाइर एक जगह पड़े हैं! तुमने तो वह लकड़ी एक कटके में जीन ली, छोटा भगवान!

जहाँ! लकड़ी अभी खत्म नहीं हुई है! ये लकड़ी अभी खत्म नहीं, लकड़ान ओ! नून नील के से न के लकड़ी खत्म होके



छोटा भगवान! मुझे किड़न का भगवान ही भूत त्रेल से कंठोम कर रहा है, इसका दिन ही सोरे मु। किड़न में मुड़ा हुआ है; यह भूत, किड़न का अपने आप का भूत, कर्म का भगवान, आदित्य भी द भगवान है।

एव मैं यंसा कर्णों लकड़ान ? दे रही। भूत किड़न में अपने आपका सभ्यता पिया है। अब तुमके भावने न कुछ भी नहीं कर पायगा भूत, भगवान।  
 कृष्ण ये नून लकड़ान को मोरे है और इस में इस मोरे की रजि यदकेंस।



अपने सभ्यता कर्णों को प्रयोग करो। वहाँ ये भूत किड़न इसको सिद्ध नहीं छोड़ेगे।  
 ऊँच करो छोटा भगवान।

अब ये संभव नहीं है,  
फ्लेमिंग! सुपर किडन ने  
मिलकर एक विडाल 'सेंटल फ्लेमिंग'  
बना ली है! और ये पीकड मेरी  
सांजसिक अग्नि को सोख सकती  
है!

फिर तो हमारा आँत सामने  
है छोटा सागराज! क्योंकि  
मेरी अग्नि का भी अब  
हल्की होटी जा रही  
है!



छोटा सागराज और फ्लेमिंग के सामने  
सुपर किडन का समुद्र खड़ा हुआ था-

जान बचा पाता असमर्थ था-

लेकिन इन विपरीत परिस्थितियों में भी  
छोटा सागराज का दिमाग तेजी से चल रहा था-

सुपर किडन को  
सिर्फ सागराज ही  
उबसा कर सकता  
है! और वह भी  
एक सांजसिक  
आदम देकर!

क्योंकि उसका विडाल  
आगे सुपर किडन से  
मुड़ा हुआ है! पर  
उसका सेना कुरसे के  
विश्व सजबुर केने  
किया हुआ सकता है?  
कैसे?



हाँ, सक्का!  
ये काम होगा यम!

अगले ही पल 'सुपर  
किडन' के काले चश्मे  
टूटने शुरू हो गए-

और साथ ही साथ  
छोटा सागराज की  
आँखों में भी तीव्र  
संज्ञे हुए तेरने लगे-



अरे! ये... ये क्या हो रहा है!  
मेरा डरीर हाल रहा है!  
पर कैसे?



क्योंकि नुस सांजसिक  
नरों के द्वारा सुपर किडन  
से जुड़े हो!

और अब इनको  
सम्बोधित करके मैं इनके  
दिमागों के द्वारा नुम्हारे दिमाग  
को वह आदेश दे रहा हूँ कि वह  
नुम्हारे डरीर को मारेंगे!







मैं अपनी सारी  
बची ऊर्जा डाकिले  
देकर भी नागराज को  
बचाऊँगी!

वाह! फ्लेमिना की  
शर्मा इस लिक्विड को गर्म  
कर रही है! नागराज फिर  
मे जीवित हो रहा है! अब वह  
बच जाएगा!



लेकिन फ्लेमिना...  
फ्लेमिना!

आस है! मेरी  
सारी डाकिले...  
खतरा...

नागराज और  
गोबिल काया है! अगर  
इसने हमको वापस  
लिया तो...



तो फिर हम सबको  
के जवाब देने-देने धक  
जायेंगे! चलो, निकलो  
यहाँ से!



और अब नागराज  
होश में आया तो-

मैं यहाँ पर  
आया कैसे? और  
यहाँ पर हुआ  
क्या?

चारों तरफ शव।  
सा दब और सुपुत्र किडन की  
पोशाक फैली है!

और फिर -

पूरी दुनिया थकित है कि  
मगर मृपेर किडन एकदमक असे  
कहो बाल ? कुछ लोग नो एकदम  
औरक से कहो ! कुछ उदास भी  
हो !

लेकिन ज्यादातर लोग  
मृपडा है ! क्योंकि मृपेर किडन  
मे उनका हीन मुडिकेस का  
दिवा था !

दे 3 डा !  
नयून से कुछ  
बनाया जा  
रहा है !

अपुष्ट मृपों  
के अनुसार मृपों  
मृपेर किडन मृप  
हो चुके हैं ! और  
वह काम तीन  
किडन मृप हीरो  
छोटा नामराज ,  
माडू गो और  
पम्प मिना के द्वारा  
क्रिया करण है !

मृपेर किडन केपडों  
मे हुटन के बाद अब  
उनके द्वारा क्रिया करण  
कई छोटासे भी  
मासने आ रहे  
हैं !

छोटा नामराज ?  
ये छोटा नामराज कौन है !  
जिसने मृपेर किडन को मिटा  
बाया ! वह मासुमी बच्चा नहीं  
हो सकता !

आखिर  
बह है कौन ?

ये पम्प मिना  
कौन है ?